



सत्यमेव जयते

झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

29 श्रावण, 1941 (श०)

संख्या- 668 राँची, मंगलवार, 20 अगस्त, 2019 (ई०)

नगर विकास एवं आवास विभाग

अधिसूचना

16 अगस्त, 2019

संख्या:-01/सा०स्था०(अधि०)-51/2017 न०वि०आ०-3467-- झारखण्ड नगरपालिका सेवा संवर्ग नियमावली, 2014 के नियम 10.9 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखण्ड नगरपालिका सेवा संवर्ग के सहायक अभियंता (विद्युत) के पद हेतु झारखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जानेवाली परीक्षा का योजना, विषय, पाठ्यक्रम एवं पूर्णांक निम्न प्रकार अधिसूचित किया जाता है:-

परीक्षा की योजना

1. निम्नांकित योजना के अनुसार परीक्षा आयोजित की जाएगी:-

भाग 1-लिखित परीक्षा दो भागों में होगी। खण्ड-1 में केवल वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न होंगे और खण्ड-2 में परम्परागत प्रश्न होंगे। दोनों भागों में विद्युत अभियंत्रण का पूरा पाठ्यक्रम होगा। लिखित परीक्षा का विवरण, यथा प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित समय एवं अधिकतम अंक नीचे की कंडिका-2 में दिये गये हैं।

भाग 2 - लिखित परीक्षा के आधार पर उत्तीर्ण अभ्यर्थी का व्यक्तित्व परीक्षण अधिकतम 200 अंकों का होगा।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी :-

विषय	अवधि	पूर्णांक
खण्ड -1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पत्र		
सामान्य योग्यता परीक्षा	2 घंटे	200
भाग क: सामान्य अंग्रेजी		
भाग ख: सामान्य अध्ययन		
विद्युत अभियंत्रण प्रश्न पत्र -I	2 घंटे	200
विद्युत अभियंत्रण प्रश्न पत्र -II	2 घंटे	200
खण्ड -2 परंपरागत प्रश्न पत्र		
विद्युत अभियंत्रण प्रश्न पत्र -I	3 घंटे	200
विद्युत अभियंत्रण प्रश्न पत्र -II	3 घंटे	200
	योग-	1000

- व्यक्तित्व परीक्षण करते समय अभ्यर्थी की नेतृत्व क्षमता, पहल तथा बौद्धिक क्षमता, व्यवहार कुशलता एवं अन्य सामाजिक गुण, मानसिक एवं शारीरिक क्षमता और सत्य निष्ठा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।
- परंपरागत प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जाएंगे। प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे।
- अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्रों के उत्तर हाथ से स्वयं लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालाँकि Locomotor disability/ cerebral Palsy से ग्रस्त (न्यूनतम 40 प्रतिशत अशक्ता) अभ्यर्थी को परम्परागत प्रश्न पत्रों की परीक्षा में प्रति घंटे बीस मिनट अतिरिक्त समय की अनुमति दी जाएगी।
- परीक्षा में किसी एक या सभी प्रश्न पत्रों के लिए न्यूनतम अर्हक अंक का निर्धारण कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प संख्या-13026, दिनांक-27.11.2012 के अनुरूप किया जायेगा। परीक्षा की योजना के खंड-1 के वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न पत्र पहले जाँचे जाएंगे तथा परीक्षा की योजना के खंड-2 में दिए गए परम्परागत प्रकार के प्रश्न पत्र उन्हीं अभ्यर्थियों के जाँचे जाएंगे, जिन्होंने वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नपत्रों में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लिया हो।
- सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिये जाएंगे।
- प्रश्नपत्रों में यथा आवश्यक एस०आई० यूनिट का प्रयोग किया जाएगा।

टिप्पणी - जहाँ आवश्यक समझा जाएगा अभ्यर्थियों को परीक्षा भवन में मानक एस०आई० सारणी/चार्ट उपलब्ध कराई जाएगी।

- अभ्यर्थियों को परंपरागत (निबंध) प्रकार के प्रश्न पत्रों के लिए बैटरी चालित पाकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उसका उपयोग करने की अनुमति होगी। परीक्षा भवन में किसी भी कैलकुलेटर मांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं होगी। यहाँ यह भी ध्यातव्य हो, कि अभ्यर्थियों को वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटर का प्रयोग करने की अनुमति नहीं होगी। अतएव वे इन्हें परीक्षा भवन में नहीं लायें।

10. अभ्यर्थी प्रश्न पत्रों का उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप (यथा 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करेंगे।

स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य योग्यता परीक्षा के प्रश्न पत्र का स्तर वेसा ही होगा जैसा कि विद्युत अभियंत्रण विज्ञान स्नातक से अपेक्षा की जाती है। विद्युत अभियंत्रण के प्रश्न पत्रों का स्तर एक भारतीय विश्वविद्यालय में विद्युत अभियंत्रण डिग्री स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा। किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

सामान्य योग्यता परीक्षा

भाग (क) सामान्य अंग्रेजी:- अंग्रेजी का प्रश्न पत्र इस प्रकार होगा ताकि अभ्यर्थी की अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग की जांच हो सके।

भाग (ख) सामान्य अध्ययन:- सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र में सम-सामयिक घटनाओं और ऐसी बातों की, उनके वैज्ञानिक पहलूओं पर ध्यान देते हुए, जानकारी सम्मिलित होगी जो प्रतिदिन के अनुभव में आती है तथा जिसकी अपेक्षा एक शिक्षित व्यक्ति से की जाती है प्रश्न-पत्र में भारतीय इतिहास एवं भूगोल के ऐसे प्रश्न भी सम्मिलित होंगे जिसका उत्तर अभ्यर्थी विशेष अध्ययन के बिना ही दे सकेंगे।

विद्युत अभियंत्रण (वस्तुनिष्ठ एवं परंपरागत दोनों प्रश्न पत्रों के लिए)

पत्र-I

1. **विद्युत परिपथ-** नेटवर्क सिद्धांत रैंप रोकने में नेटवर्क प्रतिक्रिया, आवेग एवं ज्यामिती निवेश, आवृत्ति प्रभाव क्षेत्र विश्लेषण, नेटवर्क संयोजन के द्विभाग नेटवर्क अवयव, एकल आलेख।
2. **ई०एम० सिद्धांत-**इलेक्ट्रो मैग्नेटिक थ्योरी-गेवअर विधि से स्थिर विद्युतिकी और मैग्नेटोस्टैटिक्स का अध्ययन, डाई-इलेक्ट्रिक सुचालक और चुंबकीय-सामग्री में क्षेत्र का अध्ययन, समय परिवर्ती क्षेत्र, मैक्सवेल का समीकरण, सुचालक व डाई-इलेक्ट्रिक माध्यम में समतल तरंग का संचरण, संचरण नाईन के गुण।
3. **द्रव्य विज्ञान (इलेक्ट्रिक द्रव्य सामग्री)-** बैंड सिद्धांत, स्थैतिक और प्रत्यावर्ती क्षेत्र डाई-इलेक्ट्रिक की अनुग्रिवा, पाइजीत विद्युत धातुओं की चालकता, अति चालकता द्रव्यों के चुम्बकीय गुण, पैरों और पैरी-चुम्बकत्व, सेमीकन्डक्टर में चालन, हॉल-प्रभाव।
4. **वैद्युत मापन-** मापन के सिद्धांत, परिपथ पारामीटर का ड्रीज मापन, मापन यंत्रण, बी०आई०बी०ए० और सी०बी०ओ० मोटर वणफेट विश्लेषण ट्रान्सड्यूसर और गैर विद्युतीय स्तुओं का मापन आंकिक मापन, टेलीमीटरिंग डाटा रिकॉर्डिंग और डिस्प्ले।
5. **आकलन के अवयव-** डिजिटल पद्धति अलजेरिथमस, प्रवाह सारणीकरण (फ्लोभारटींग) संग्रहण (स्टोरेज), टाईप स्टेटमेंट-व्यवस्थित संघनन, गणितीय अभिव्यंजन, तार्किक अभिव्यंजन, आवंटन विवरण, प्रोग्राम संरचना, वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग उपयोग।

पत्र-II

6. **शक्ति उपकरण एवं पद्धति-** विद्युत यांत्रिकी, वैद्युत यांत्रिक ऊर्जा के परिवर्तन का सिद्धांत, डी०सी० सिन्क्रोम्स और प्रेरम मशीन का विश्लेषण भिनांक आपशिक्त मीटर, नियंत्रण-प्रणाली में मशीन, ट्रान्सफॉर्मर चुंबकीय परिपथ और ड्राइम्स पावर सिस्टम के लिए मोटर का चुनाव विद्युत उत्पादन जल तथा नाभकीय विद्युत का संचरण, कोरोमा बुण्डल चालक, विद्युति सुरक्षा, आर्थिक प्रचालन भार-आवृति नियंत्रण, स्थायित्व विश्लेषण।
7. **नियंत्रण पद्धति-** खुला-लूप और बंद-लूप पद्धति, प्रतिक्रिया विश्लेषण रूट लेवल तकनीकी स्थायित्व, क्षतिपूर्ति और रूपांकन तकनीक, स्टेट भेरीएबुल एप्रोच।
8. **इलेक्ट्रॉनिक तथा संचार-** इलेक्ट्रॉनिक-धन अवस्था (सॉलिड स्टेट) उपकरण और परिपथ बुलीयन बीजगणीत, लॉजिक परिपथ समोजी और अनुक्रमिक संख्यात्मक परिपथ, संचार संकेत विश्लेषण, संकेत का प्रसारण, माडुलेशन अनुसंधान, संचार पद्धति के विभिन्न प्रकार के संचार पद्धति के कार्य।

झारखण्ड के राज्यपाल के आदेश से,

अजय कुमार सिंह,
सरकार के सचिव।
